RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 23 AUGUST TO 29 AUGUST 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 49 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

लूना-25 की क्रैश लैंडिंग से रूस को लगा अरबों का फटका Page 2

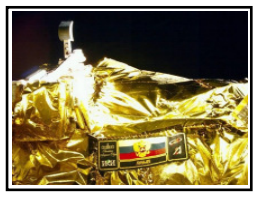

RBI का नया रूल बढ़ा सकता है आपके होम लोन की EMI Page 3

ह्यूमनॉइड रोबोट : फांतासी या वास्तविकता Page 4

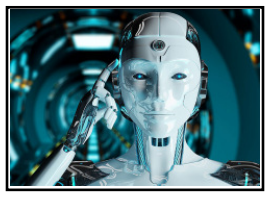

editoria!

महिला नेतृत्व का मुद्दा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भारत में महिला सशक्तिकरण का एक बड़ा प्रतीक हैं. पुरुषों के वर्चस्व वाले समाज में महिलाओं के लिए बराबरी का रास्ता बनाना कितना कठिन होता है उसे वह अच्छी तरह समझती हैं. महिला समानता की बारीकियों को भी वह समझती हैं. इसका एक उदाहरण है दिल्ली में सैनिकों की पत्नियों के कल्याण संगठन के एक कार्यक्रम में की गई उनकी एक टिप्पणी. राष्ट्रपति मुर्मू ने वहां कहा कि एक पुरानी कहावत है कि हर कामयाब पुरुष के पीछे एक महिला होती है. लेकिन, राष्ट्रपति ने कहा कि अब इसे बदला जाना चाहिए, और कहना चाहिए कि हर कामयाब पुरुष के साथ एक महिला होती है. राष्ट्रपति की यह टिप्पणी लैंगिक समानता के एक महत्वपूर्ण पक्ष की ओर ध्यान दिलाता है. महिला और पुरुष की बराबरी का मुद्दा केवल संख्यात्मक मुद्दा नहीं है जिसमें आंकड़ों के आधार पर महिला और पुरुषों की बराबरी की तुलना की जाती है. असल बराबरी तब होगी जब समाज में मन से महिलाओं को बराबर माना जाने लगेगा. मगर मानसिकता बदलने में समय लगता है. उसके पहले क्षमता सिद्ध करनी होती है. यह दुखद है, लेकिन जरूरी भी. और महिलाओं ने यह सिद्ध किया है कि वह चूल्हा-चौके से लेकर चंद्रयान तक संभाल सकती हैं. चंद्रयान-3 को चंद्रमा पर लैंड करवाने के अहम अभियान का नेतृत्व महिला वैज्ञानिक ऋतु करिधाल कर रही हैं. 77वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने संबोधन में इसका जिक्र किया था. प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत आज गर्व से कह सकता है कि उसके पास दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा महिला पायलट हैं. उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को खेती के काम में ड्रोन के इस्तेमाल की ट्रेनिंग देने पर विचार चल रहा है. योजना लागू होने पर भारत इस काम में भी दुनिया के लिए मिसाल बन सकता है. प्रधानमंत्री का कहना था कि यदि देश को आगे जाना है तो उसमें महिलाओं के हाथों में भी नेतृत्व होना चाहिए, मगर, नेतृत्व के प्रश्न से पहले भागीदारी का प्रश्न आता है. भारत में कुल कामगारों में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है. एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021-22 में 15-59 वर्ष के आयु वर्ग की श्रम शक्ति में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 30 प्रतिशत थी. इसकी तुलना में चीन में 65 प्रतिशत महिलाएं काम कर पैसे कमाती हैं. भारत में भी महिलाओं की स्थिति में सुधार हो इसके लिए सबसे पहले महिला साक्षरता को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए. इसके साथ ही युवा महिलाओं को गुणवत्ता वाली शिक्षा तथा उनके कौशल विकास की भी व्यवस्था की जानी चाहिए.

रूस से एक तिहाई खर्च पर पहुंच गया भारत का चंद्रयान

नासा ने कितना किया था खर्च

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत और रूस के बीच चंद्रमा के साउथ पोल में उतरने को लेकर होड़ मची है। दोनों देशों के मिशन चांद की सतह के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। भारत के चंद्रयान-3 का लैंडर विक्रम प्रपल्शन मॉड्यूल से अलग हो चुका है और धीरे-धीरे चांद की सतह के करीब पहुंच रहा है। इसे 23 अगस्त को चांद की सतह पर उतारने की कोशिश की जाएगी। दूसरी ओर रूस का मिशन लूना-25 (Luna-25) 21 से 23 अगस्त को चांद की सतह पर उतरने का प्रयास करेगा। चंद्रयान-3 को 14 जुलाई 2023 को लॉन्च किया था और 5 अगस्त को इसने चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश किया था। दूसरी ओर रूस का मिशन 10 अगस्त को भेजा गया था। यहां हम आपको बता रहा है कि भारत और रूस के मिशन में से किस पर कितना खर्च आया है। चंद्रयान-3 भारत की तीसरा मून मिशन है जबकि रूस ने 1976 के बाद पहली बार चांद का रुख किया है। रूस के लूना-25 का वजन 1,750 किग्रा है जबकि चंद्रयान-3 का भार 3,800 किग्रा है। इन दोनों के बजट में भारी अंतर है। चंद्रयान-3 का बजट जहां मात्र 615 करोड़ रुपये है, वहीं रूस ने लूना-25 के बजट का ऐलान नहीं किया है। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक इसकी लागत करीब 1,600 करोड़ रुपये है। यानी रूस का मिशन भारत की तुलना में करीब ढाई गुना है। चंद्रयान-3 की लागत चंद्रयान-2 की तुलना में कम है। चंद्रयान-2 की तरह चंद्रयान-3 में ऑर्बिटर नहीं है।

इसरो बनाम नासा का खर्च

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) इसरो के अनुसार, चंद्रयान-3 को तैयार करने पर कुल 615 करोड़ रुपये का खर्च आया है। चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम, रोवर प्रज्ञान और प्रपल्शन मॉड्यूल को तैयार करने की कुल लागत 250 करोड़ रुपये है। साथ ही इसके लॉन्च पर 365 करोड़ रुपये खर्च हुए। इसका कुल खर्च चंद्रयान-2 की तुलना में करीब 30 फीसदी कम है। 2008 में भेजे गए चंद्रयान-1 की कुछ खर्च 386 करोड़ रुपये था। इसी तरह 2019 में भेजे गए चंद्रयान-2 पर कुल खर्च 978 करोड़ रुपये का खर्च आया था। यानी तीनों मिशन पर इसरो का कुल खर्च 1,979 करोड़ रुपये रहा है। अमेरिका ने अपना लूनर मिशन साल 1960 में शुरू किया था। तब उसके मिशन का कुल खर्च 25.8 अरब डॉलर था। अगर आज के हिसाब के देखें तो यह 178 अरब डॉलर बैठता है। रुपये के हिसाब से देखें को यह रकम करीब 14 लाख करोड़ रुपये बैठती है। यानी इसरो के मुकाबले नासा के मून मिशन का खर्च करीब 3,000 गुना ज्यादा था। इसरो ने कुछ साल पहले मंगलयान को भी लॉन्च किया था। इसका कुल खर्च करीब 450 करोड़ रुपये था जबकि 2013 में आई हॉलीवुड फिल्म ग्रैविटी की लागत 600 करोड़ रुपये थी।

चंद्रयान-3 की सफलता से गुलजार शेयर बाजार

बाजार 450 अंक उछला, निफ्टी 19500 के पार

आईपीटी नेटवर्क

भारत के चंद्रयान- 3 की सफलता का असर भारतीय शेयर बाजार में देखने को मिला है। गुरुवार को स्टॉक मार्केट के दोनों इंडेक्स हरे निशान पर खुले, एक ओर जहां बीएसई का सेंसेक्स खुलते ही जोरदार 300 अंक की उछल के साथ 65,700 के लेवल को पार कर गया, तो वहीं दूसरी ओर एनएसई का निफ्टी 100 अंक से ज्यादा उछलकर 19,500 के पार कारोबार कर रहा था।

चांद पर तिरंगा, निवेशकों की बल्ले-बल्ले

बुधवार 23 अगस्त 2023 का दिन भारत के इतिहास में एक बड़ी सफलता वाला दिन साबित हुआ। देश के मून मिशन चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर के चंद्रमा की सतह पर उतरकर भारत का झंडा दुनिया में बुलंद कर दिया। चंद्रमा के साउथ पोल पर उतरने वाला ये पहला देश बन गया है। इसमें टाटा से लेकर गोदरेज तक देश की तमाम बड़ी कंपनियों ने अपना योगदान दिया है, तो पहले से ही माना जा रहा था कि गुरुवार को शेयर बाजार में बहार देखने को मिल सकती है और हुआ भी उम्मीद के मुताबिक ही 24 अगस्त को शेयर बाजार ने शानदार शुरुआत की सुबह 9.15 बजे सेंसेक्स 233.30 अंक या 0.36 फीसदी चढ़कर 65, 666.60 पर और निफ्टी 71.50 अंक या 0.37 फीसदी उछलकर 19,515.50 पर ओपन हुआ।

बोईंग ने भारतीय सेना के लिये ई-मॉडल अपाचे का उत्पादन शुरू किया

भारतीय सेना द्वारा ऑर्डर किये गये छह अपाचे हेलिकॉप्टर्स में पहला एएच-64ई के ढांचे हैदराबाद में टाटा बोईंग एरोस्पेस लिमिटेड के संयंत्र में बन रहे हैं

नई दिल्ली। बोईंग [NYSE: BA], मेसा, एरिज़ोना में भारतीय सेना के अपाचे का उत्पादन शुरू कर रही है। कंपनी भारतीय सेना की जरूरतों को पूरा करते हुए कुल छह एएच-64ई अपाचे की आपूर्ति करेगी। इस साल इससे पहले, टाटा बोईंग एरोस्पेस लिमिटेड (टीबीएएल) ने हैदराबाद, भारत में स्थित अपनी आधुनिक फैक्ट्री से भारतीय सेना के पहले एएच-64 अपाचे ढांचे की आपूर्ति की थी। बोईंग इंडिया के प्रेसिडेंट सलिल गुप्ते ने कहा, 'हमें

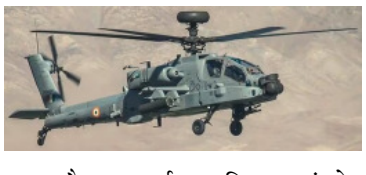

एक और महत्वपूर्ण उपलब्धितक पहुंचने की खुशी है, जिससे भारत की रक्षा क्षमताओं में सहयोग देने के लिये बोईंग की अटूट प्रतिबद्धता का पता चलता है। एएच-64 की उन्नत टेक्नोलॉजी और साबित प्रदर्शन भारतीय सेना की परिचालन तैयारी को समृद्ध बनाएगा और उसकी रक्षा क्षमताओं को मजबूती देगा।' 2020 में बोईंग ने 22 इंडियन एयर फोर्स ई-मॉडल अपाचे की आपूर्ति पूरी की थी और भारतीय सेना के लिये छह एएच-64ई बनाने के लिये अनुबंध पर हस्ताक्षर किये थे। भारतीय सेना के अपाचे की आपूर्ति 2024 के लिये निर्धारित है। अटैक हेलिकॉप्टर प्रोग्राम्स की वाइस प्रेसिडेंट और बोईंग मेसा साइट की सीनियर एक्जीक्यूटिव क्रिस्टिना उपाह ने कहा, 'एएच'-64ई दुनिया का प्रमुख अटैक हेलिकॉप्टर बना हुआ है। एएच-64 ग्राहकों को बेजोड़ घातकता और उत्तरजीविता क्षमता देता है और हम यह क्षमताएं भारतीय सेना को प्रदान करते हुए रोमांचित हैं।

लूना-25 की क्रैश लैंडिंग से रूस को लगा अरबों का फटका, जानिए कितना पैसा किया था खर्च

नई दिल्ली। एजेंसी

रूस के मून मिशन को बड़ा झटका लगा है। चांद की सतह पर उतरने जा रहा रूस का लूना-25 अंतरिक्ष यान चांद पर क्रैश हो गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार रूस का लूना-25 अनियंत्रित कक्षा में घूमने के बाद चंद्रमा से टकराकर क्रैश हो गया। काफी अधिक देरी और असफलताओं के बाद करीब 50 साल बाद रूस का लूना-25 स्पेसक्राफ्ट 11 अगस्त को लॉन्च किया गया था। लूना- 25 के क्रैश होने से रूस की अंतरिक्ष एजेंसी को बड़ा नुकसान हुआ है। इस मिशन के लिए भारी-भरकम पैसा खर्च हुआ था।

16.6 अरब रुपये का नुकसान

लूना-25 के दुर्घटनाग्रस्त होने से रूस को काफी नुकसान हुआ है। लूना-25 मिशन का बजट करीब 200 मिलियन डॉलर (16,63,14,00,000 रुपये) था। यानी रूस को इस मिशन के फेल होने से 16.6 अरब रुपये का नुकसान हुआ है। इस 200 मिलियन डॉलर के बजट में स्पेसक्राफ्ट को डेवलप करना, लॉन्च ऑपरेशन, मिशन कंट्रोल और चांद से मिले डेटा का वैज्ञानिक विश्लेषण शामिल था।

काफी खास है चांद का साउथ पोल

रूस के लूना-25 का लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र को एक्सप्लोर करना था। चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव काफी खास बना हुआ है। यहां पर बर्फ के रूप में पानी जमा हो सकता है। रूस के लूना-25 में स्पेक्ट्रोमीटर और कैमरों सहित अत्याधुनिक वैज्ञानिक उपकरण थे। इनसे चंद्रमा की सतह की सरंचना का विश्लेषण किया जाना था। साथ ही वहां की तस्वीरें ली जानी थी।

भारत के चंद्रयान-3 का बजट सिर्फ 615 करोड़

भारत किफायती अंतरिक्ष मिशन के लिए दुनियाभर में जाना जाता है। चंद्रयान 3 का बजट करीब 615 करोड़ है। यह दुनिया में सबसे कम है। फिल्म आदिपुरुष का बजट भी इससे अधिक है। भारत का चंद्रयान-3 23 अगस्त को 18:04 बजे चंद्रमा की सतह पर उतरा। भारत का चंद्रयान-3 योजनानुसार बिल्कुल ठीक तरह से अपने रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

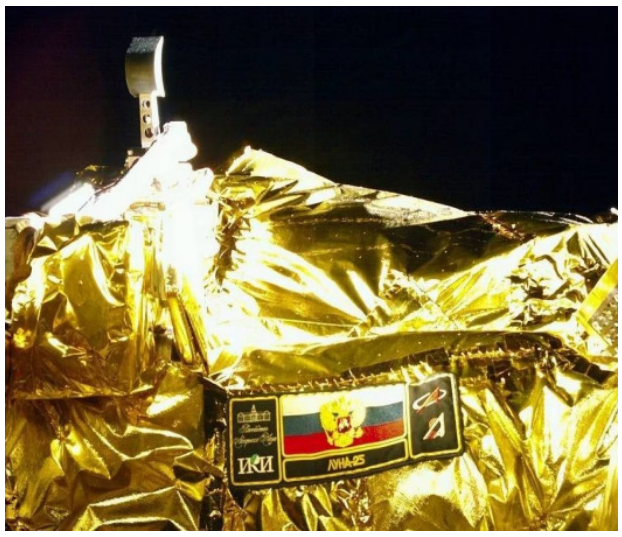

अब सस्ता होगा टीवी देखना, कम आएगा केबल का बिल

TRAI ने सरकार से की ये सिफारिश

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में बढ़ती महंगाई से परेशान लोगों के लिए अच्छी खबर है। अब आने वाले समय में आपका केबल का बिल कम हो सकता है। टीवी देखना सस्ता हो जाएगा। दरअसल ट्राई ने FY27 के बाद ऊऊप लाइसेंस शुल्क खत्म करने की सरकार से सिफारिश की है। टेलीकॉम रेगुलेटरी ऑथर ऑफ इंडिया ने सरकार से सिफारिश की है कि डीटीएच ऑपरेटरों के लिए वित्तीय वर्ष 2026-2027 से लाइसेंस शुल्क समाप्त कर देना चाहिए, जिससे वह लॉन्ग टर्म में अच्छा परफॉर्म कर पाएं। इसके अलावा ट्राई ने सरकार को लिखे लेटर में ये भी कहा है कि आने वाले तीन वर्षों में डायरेक्ट-टू-होम (DTH) ऑपरेटरों के लिए लाइसेंस शुल्क को शून्य तक लाया जाना चाहिए। इसे धीरे-धीरे खत्म करने की ओर काम किया जाना चाहिए।

इस वजह से की सिफारिश

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) ने तर्क दिया है कि डीटीएच प्लेटफार्मों को अन्य रेग्युलेटेड और अन रेग्युलेटेड वितरण प्लेटफार्मों जैसे मल्टी-सिस्टम ऑपरेटरों (एमएसओ), हेडएंड इन द स्काई (एचआईटीएस) ऑपरेटरों, आईपीटीवी प्रदाताओं, डीडी फ्री डिश और ओटीटी सेवाओं के समान माना जाना चाहिए। किसी भी लाइसेंस शुल्क का भुगतान न करें।

कम हो रही संख्या

पिछले कुछ वर्षों में, डीटीएच क्षेत्र में डीडी फ्री डिश, प्रसार भारती के मुफ्त डीटीएच प्लेटफॉर्म और ओटीटी प्लेटफार्मों के कारण पिछड़ता जा रहा है। मार्च 2023 तक, चार पे डीटीएच प्लेटफार्मों का सक्रिय ग्राहक आधार 65.25 मिलियन था। डायरेक्ट-टू-होम (DTH) सब्सक्राइबर्स की संख्या कम हो रही है।

जब तक लाइसेंस शुल्क शून्य नहीं हो जाता, ट्राई ने सिफारिश की है कि डीटीएच लाइसेंस शुल्क वर्तमान में 8% से घटाकर एग्जेस्टेड ग्रॉस रेवेन्यु (एजीआर) का 3% कर दिया जाए। डीटीएच इंडस्ट्री लंबे समय से मांग कर रही है कि जब लाइसेंस शुल्क की बात आती है तो डीटीएच और अन्य वितरण प्लेटफार्मों के बीच एक समान अवसर होना चाहिए। उद्योग के अनुमान के अनुसार, वर्तमान में, निजी डीटीएच ऑपरेटर लाइसेंस शुल्क के रूप में सालाना 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान करते हैं।

टेलिकॉम के बाद अब इंटरनेट की दुनिया हिलाने की तैयारी

नई दिल्ली। एजेंसी

रिलायंस जियो ने साल 2016 में टेलिकॉम सेक्टर में तहलका मचा दिया था। कंपनी अब कंज्यूमर इंटरनेट के क्षेत्र में भी धमाल मचाने की तैयारी में है। कंपनी त्योहारी मौसम में अपना फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (FWA) डेवाइस जियो एयरफाइबर (Jio AirFiber) लॉन्च कर सकती है। इसकी कीमत दूसरी कंपनियों के मुकाबले 20 परसेंट कम हो सकती है। ईटी की एक रिपोर्ट में इंडस्ट्री के जानकारों और एग्जीक्यूटिव्स ने यह बात कही गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की 29 अगस्त को एजीएम होने है जिसमें कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी इस बारे में घोषणा कर सकते हैं। रिलायंस जियो देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी है।

एक सूत्र ने कहा कि रिलायंस की एजीएम में इस बारे में घोषणा की जा सकती है। जियो ने अब तक भारी ऑफर के साथ नया प्रॉडक्ट लॉन्च किया है और इस बार भी ऐसा ही हो सकता है। हालांकि जियो ने इस बारे में ईटी के सवालों का जवाब नहीं दिया। सूत्रों का कहना है कि जियो उन शहरों में कंज्यूमर ट्रायल शुरू कर दिया है जहां उसका 5जी रोलआउट पूरा हो चुका है। कंपनी ने कुछ चुनिंदा यूजर्स को डेवाइस भी दिए हैं ताकि लॉन्च से पहले इसका पूरी तरह टेस्टिंग की जा सके। जियो का एफडब्ल्यूए डेवाइस कैरियर एग्रीगेशन टेक्नोलॉजी का यूज करेगा जो अलग-अलग 5जी एयरवेज का इस्तेमाल करके डेटा पाथवे बनाएगा। जियो ने पिछले साल 700 मेगाहट्र्ज, 3300 मेगाहट्र्ज और 26 गीगाहट्र्ज में स्पेक्ट्रम खरीदा था।

फ्री ट्रायल

इसी महीने भारती एयरटेल ने मुंबई और दिल्ली में अपना एफडब्ल्यूए Xstream AirFiber लॉन्च किया था। इसके डेवाइस की कीमत 2500 रुपये है। इसका हर महीने सब्सक्रिप्शन 799 रुपये है। एयरटेल अभी छह महीने का सब्सक्रिप्शन दे रही है और इसके लिए यूजर्स से 7300 रुपये लिए जा रहे हैं। एक एनालिस्ट ने कहा कि एयरटेल पहले ही अपना डेवाइस उतर चुकी है। ऐसे में जियो डिस्काउंट दे सकती है या कुछ समय के लिए फ्री ट्रायल ऑफर कर सकती है। रिलायंस की पिछली एजीएम में पहली बार कंपनी ने एफडब्ल्यूए ऑफरिंग की बात कही थी। 2022 में दुनिया में 10 करोड़ एफडब्ल्यूए थे। 2028 के अंत तक इसके 30 करोड़ पहुंचने का अनुमान है। इनमें से 80 परसेंट 5जी टेक्नोलॉजी का यूज करेंगे। देश में जिस तरह के डेटा का इस्तेमाल बढ़ रहा है। ऐसे में देश में FWA का यूज बढ़ने की पूरी संभावना है।

होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई) ने केन्द्रीय पर्यटन सचिव से भेंट कर उन्हें सौंपी भविष्य हेतु तैयार आतिथ्य उद्योग के विषय पर रिपोर्ट 'विज़न 2047'

नई दिल्ली। एजेंसी

महामारी के दो मुश्किल वर्षों के बाद पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग फिर से पटरी पर लौट रहा है, ऐसे में होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई) इस क्षेत्र के भविष्य के बारे में एक विज़न और रोडमैप लेकर सामने आई है। एचएआई ने माननीय पर्यटन सचिव श्रीमती वी. विद्यावती के साथ हाल ही में मुलाकात की और उन्हें इस रिपोर्ट की एक प्रति सौंपी जिसका शीर्षक है 'विज़न 2047 - इंडियन होटल इंडस्ट्री - चैलेंजिस एंड द रोड अहैड'। इस शिष्टमंडल में एचएआई के उपाध्यक्ष श्री के.बी. काचरु जो दक्षिण एशिया में रैडिसन होटल ग्रुप के चेयरमैन अमेरिटस और प्रधान सलाहकार हैं; एसोसिएशन के महासचिव श्री एम.पी. बेज़बरुआ; एचएआई के संस्थापक सदस्य सुश्री प्रिया पॉल, चेयरपर्सन, एपीजे सुरेन्द्र पार्क होटल्स लिमिटेड; डॉ ज्योत्सना सूरी, चेयरपर्सन व एमडी, भारत होटल्स लिमिटेड। इनके साथ शामिल थेः एचएआई के फैलो मैम्बर श्री अजय के. बकाया जो सरोवर होटल्स प्रा. लि. के प्रबंध निदेशक हैं तथा एचएआई की उपमहासचिव श्रीमती चारुलता सुखिया शामिल थे। इस रिपोर्ट में इंडस्ट्री के भविष्य को लेकर विभिन्न संभावित परिदृश्यों का खाका प्रस्तुत किया गया है और यह उल्लेख किया गया है कि स्वतंत्रता के 100वें वर्ष में यह उद्योग क्या हासिल कर सकता है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि महामारी ने किस प्रकार कारोबार करने के तरीकों को बदल दिया है तथा टेक्नोलॉजी, सस्टेनेबिलिटी की चिंताओं, ग्राहकों के बदलते बर्ताव, डिजिटलीकरण, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आदि मेगाट्रेंड्स का विश्लेषण किया गया जो आतिथ्य उद्योग के भविष्य को आकार देंगे। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज़्म काउंसिल (डब्ल्यूटीटीसी) के मुताबिक साल 2021 में जीडीपी में योगदान देने में भारत का 6ठा स्थान था, जबकि उससे पहले अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी व इटली थे। 2020 में भारत के जीडीपी में पर्यटन व आतिथ्य उद्योग का योगदान 122 अरब यूएस डॉलर था जो अगले साल बढ़कर 2021 में 135.4 अरब यूएस डॉलर हो गया। गौर तलब है की महामारी से पहले 2019 में यह आंकड़ा 191 यूएस डॉलर था। इस रिपोर्ट में यह चर्चा की गई है कि इस वृद्धि को किस प्रकार मजबूत किया जाए तथा वर्तमान अनुभवों पर किस तरह से भविष्य का निर्माण किया जाए। विज़न 2047 रिपोर्ट तैयार करने के श्रीमती वी. विद्यावती ने एचएआई की सराहना की। उन्होंने उद्योग के भीतर मजबूत भागीदारी एवं सृजनात्मक संवाद के महत्व पर बल दिया। उन्होंने भारत सरकार के इंटिग्रेटिड डेस्टिनेशन डैवलपमेंट विज़न को भी रेखांकित किया और बताया कि एचएआई इसमें क्या भूमिका निभा सकती है।

RBI का नया रूल बढ़ा सकता है आपके होम लोन की EMI

मजबूर हुए बैंक

नई दिल्ली। एजेंसी

आरबीआई ने लोन की किस्त यानी ईएमआई के बारे में नई गाइडलाइन जारी की। इसमें कर्जदारों के लिए कई तरह की राहत दी गई है। लेकिन इसमें साथ ही उनके लिए एक चिंताजनक बात भी है। नए नियमों के आने के बाद इंटरेस्ट रेट बढ़ने पर बैंक और फाइनेंस कंपनियां कुछ होम लोन पर किस्त बढ़ाने पर मजबूर हो सकती हैं। साथ ही कर्ज लेने वाले के लिए रकम की घट जाएगी। नए नियमों के मुताबिक कर्ज लेने वालों को इंटरेस्ट रेट में बदलाव होने पर फिक्स्ड रेट लोन में शिफ्ट करने का विकल्प दिया जाएगा। बैंक मौजूदा रेट से ज्यादा रेट पर रिपेमेंट कैपेसिटी कैलकुलेट करेंगे जिससे कर्ज लेने वालों के लिए लोन की अमाउंट कम हो सकती है। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए बनाए गए नए नियम 31 दिसंबर से नए और मौजूदा कर्जदारों के लिए लागू होंगे। यदि इंटरेस्ट रेट तेजी से बढ़ता है तो बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि ईएमआई लोन पर मासिक ब्याज को कवर करना जारी रखे और किस्त देने के बाद बकाया राशि में बढ़ोतरी न हो। लोन मंजूरी के लेटर में यह खुलासा करना होगा कि फ्लोटिंग से फिक्स्ड रेट में जाने पर कितना चार्ज लगेगा। अभी बैंक मौजूदा ब्याज दरों के आधार पर कर्जदार की लोन चुकाने की कैपेसिटी को कैलकुलेट करते हैं। उदाहरण के लिए अगर किसी कर्जदार के रिटायर होने में अभी 20 साल हैं तो वह एक करोड़ रुपये के लोन पर 6.5 परसेंट की ब्याज दर पर 74,557 रुपये की ईएमआई दे सकता है। लेकिन 11 परसेंट रेट के हिसाब से यह राशि 72 लाख रुपये ही रह जाएगी।

कितनी बढ़ जाएगी किस्त

पैसाबाजार के को-फाउंडर और सीईओ नवीन कुकरेजा ने कहा कि अभी कुछ ही बैंक और एचएफसी फिक्स्ड इंटरेस्ट पर होम लोन दे रहे हैं। कुछ बैंक हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट पर होम लोन दे रहे हैं। टेन्योर बढ़ने पर लोन के इंटरेस्ट रेट का रिस्क बढ़ जाता है, इसलिए बैंक फिक्स्ड रेट होम लोन के लिए ज्यादा इंटरेस्ट लेते हैं। उदाहरण के लिए आईसीआईसीआई बैंक में फ्लोटिंग रेट नौ से 10.5 परसेंट है जबकि फिक्स्ड रेट 11.2 से 11.5 परसेंट है। इसी तरह एक्सिस बैंक में फ्लोटिंग रेट नौ से 13.3 परसेंट है जबकि फिक्स्ड रेट 14 परसेंट है। आईडीबीआई बैंक में फ्लोटिंग रेट 8.5 परसेंट से 12.3 परसेंट है जबकि फिक्स्ड रेट 9.6 से 10.1 परसेंट है। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस की बात करें तो इसमें फ्लोटिंग रेट 8.5 से 10.8 परसेंट है जबकि फिक्स्ड रेट 10 से 10.3 परसेंट है। पिछले हफ्ते आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि सेंट्रल बैंक ईएमआई नियमों की समीक्षा करेगा। नए नियमों के मुताबिक बैंकों को रिकवर किए गए प्रिंसिपल और इंटरेस्ट, ईएमआई अमाउंट, बचे हुई किस्तों की संख्या और ब्याज की सालाना दर का खुलासा करना होगा। अमूमन बैंक कर्ज लेने वाले की योग्यता का आकलन इनकम में बढ़ोतरी इंटरेस्ट रेट के साइक्लिक नेचर के आधार पर करते हैं। लेकिन अब कई ऐसे मामले भी सामने आए हैं जहां कुछ इंडस्ट्रीज में महंगाई के हिसाब से सैलरी नहीं बढ़ी है।

बड़ौदा से इंदौर के लिए रवाना हुए मेट्रो के कोच, 30 अगस्त तक पहुंचेंगे

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मप्र के इंदौर के लिए मेट्रो कोच ने बड़ौदा से सफर शुरू कर दिया है। बड़े ट्राले में आ रहे कोच सप्ताह भर का सफर तय कर इंदौर आएंगे। एक दिन में 30 से 50 किलोमीटर का सफर कोच तय कर रहे है। चार कोच ट्रायल रन के लिए इंदौर आएंगे। छह किलोमीटर लंबे प्रायरिटी कॉरिडोर पर सितंबर में ट्रायल रन होना है। 15 सितंबर के बाद मुख्यमंत्री की मौजूदगी में ट्रायल रन होगा।

इंदौर के कोच बड़ौदा में तैयार हो रहे है। बुधवार को कोच इंदौर के लिए रवाना हो गए। कोचेस को गांधी नगर मेट्रो स्टेशन पर रखा जाएगा। ट्रायल रन की तैयारियां पूरी हो चुकी है। गांधी नगर स्टेशन पर तीन नंबर स्टेशन पर 132 किलोवाट के सब स्टेशन से मेट्रो को बिजली सप्लाई होगी। इस बिजली से ही ट्रायल रन होगा।सितंबर में ट्रायल रन गांधी नगर स्टेशन से एमआर-10 ब्रिज तक होगा। छह किलोमीटर हिस्से में पटरियां बिछाने, विद्युतीकरण सहित अन्य काम हो चुके है।

अगले साल होगा यात्रियों के साथ ट्रायल

फिलहल छह किलोमीटर लंबे कॉरिडोर पर ट्रायल रन होगा। सुपर कॉरिडोर से विजय नगर तक यात्रियों के साथ ट्रायल रन में सालभर का समय लगेगा। इंदौर में लाइट मेट्रो ट्रेन का संचालन होगा। बड़ौदा के सावली क्षेत्र के कारखाने में इंदौर मेट्रो के कोच का निर्माण हो रहा है। कोच की लंबाई 126 मीटर की रहेगी और उसमें एक बार में 400 से ज्यादा यात्री सफर कर सकेंगे। एमडी मनीष सिंह ने कहा है कि हमने मुख्यमंत्री से समय मांगा है। कार्यक्रम तय होते ही ट्रायल रन शुरू हो जाएगा। मेट्रो के ट्रायल रन की तैयारियां लगभग पूरी है। ट्रायल रन में शहर के गणमान्य नागरिकों को भी मेट्रो की सैर कराई जाएगी।

अमेरिका बंद कर सकता है भारत से रियल डायमंड का इम्पोर्ट

मुंबई। एजेंसी

डायमंड बिजनेस का लगभग 95 पर्सेंट से ज्यादा ट्रेड मुंबई में होता है और इन दिनों भारतीय डायमंड बाजार में सुस्ती का माहौल है। ग्लोबल डिमांड में आई कमी से एक्सपोर्ट में आई गिरावट के बाद 30 पर्सेंट तक सस्ते हो गए रियल डायमंड की ट्रेड पर भी अब चिंता के बादल दिखने लगे हैं। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्शन के घंटे पहले ही कम कर चुकी इंडस्ट्री, क्रिसमस के नए ऑर्डर्स को लेकर भी मंदी का सामना कर रही है।एक ट्रेडर ने नाम नहीं बताए जाने की शर्त पर बताया कि डायमंड के सबसे बड़े खरीदार अमेरिका को यह लगता है कि भारत से अमेरिका आने वाला तैयार माल असल में रूस की अलरोसा से ऑपरेट होता है। ऐसे में कहा जा रहा है कि चूंकि रूस पर ळए ने प्रतिबंध लगा रखे हैं, ऐसे में अमेरिका जनवरी से 1 कैरेट से ऊपर के डायमंड का इम्पोर्ट भारत से बंद कर सकता है। यही वजह है कि इस बात पर स्थिति स्पष्ट नहीं होने से नए ऑर्डर पर ग्रहण लग रहा है।

हालांकि, जेम्स ऐंड जूलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (GJEPC) के चैयरमेन विपुल शाह ने बताया कि रूस से आने वाले डायमंड को लेकर आगे क्या होगा, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। हां, यह तय है कि वेस्टर्न कंट्री रूस के डायमंड बिजनेस को फाइनैंस नहीं करना चाहते हैं। सरकार के साथ मिलकर इंडस्ट्री इसका बेहतर तरीका निकालने की कोशिश में है। अभी तक अमेरिका और दूसरे विकसित देशों की तरफ से प्रतिबंध की बात साफ नहीं है। अगर ऐसा होता है तो इंडस्ट्री दूसरे उभरते बाजार जैसे वियतनाम, कंबोडिया के साथ भारत पर फोकस करेगी।

इस बाबत जयपुर जेम्स के CEO सिद्धार्थ सचेती कहते हैं, 'पूरी दुनिया में 30 पर्सेंट रफ डायमंड रूस से आता है और अमेरिका के रूस पर प्रतिबंधों के बाद जिस तरह भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड बढ़ा है, ऐसे में अब यह दुविधा ज्यादा बढ़ गई है। भारत इस मुद्दे पर यदि अमेरिका के साथ सोशल बेनिफिट लेता है, तो भारत को अमेरिका के प्रतिबंध का सामना नहीं करना पड़ेगा। बाकी, जहां तक नए बाजार जैसे वियतनाम और कंबोडिया में अवसर की बात है तो वह सिर्फ झुनझुना है। क्योंकि वहां न तो जनसंख्या है और न ही GDP।'

अब चुटकियों में मिलेगा लोन! RBI ने लॉन्च किया पब्लिक टेक प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली। एजेंसी

अब बिना किसी परेशानी और झंझट के मिनटों में आपकी लोन तक पहुंच हो सकेगी। गुरुवार को इसके लिए RBI ने एक ऑनलाइन पब्लिक टेक प्लेटफॉर्म का पायलट प्रोजेक्ट लॉन्च किया। इस प्लेटफॉर्म को रिजर्व बैंक की इनोवेशन हब टीम ने डिवेलप किया है। इस सुविधा से आम जनता के लिए न सिर्फ लोन लेने की प्रकिया आसान होगी, बल्कि लोन लेने की प्रकिया के कई तरह के खर्चे भी कम होंगे। रिजर्व बैंक ने कहा कि, यह डिजिटल प्लेटफॉर्म एक ओपन इन्फ्रास्ट्रक्चर, ओपन 'एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस' (API) और स्टैंडर्ड्स से लैस होगा जिससे फाइनैंशल सेक्टर की सभी यूनिट्स 'प्लग एंड प्ले' मॉडल पर बिना किसी परेशानी के जुड़ सकेंगी। API एक सॉफ्टवेयर है जो दो एप्लिकेशन को एक दूसरे से कॉन्टेक्ट स्थापित करने की अनुमति देता है।

API यूनिट के भीतर और अलग-अलग यूनिट्स के बीच आंकड़े प्राप्त करने और साझा करने का एक सुलभ तरीका है। सभी फाइनेंशियल सेक्टर के प्लेयर्स इस 'plug and play' मॉडल में जुड़ सकते हैं। RBI पायलट प्रोग्राम में प्लेटफॉर्म पर किसान क्रेडिट कार्ड लोन, डेयरी लोन, श्एई लोन जैसे प्रोडक्ट्स पर ध्यान केंद्रित करेगा। केंद्रीय बैंक को उम्मीद है कि इस प्लैटफॉर्म पर उन लोगों को लोन दिया जा सकता है जिनके पास लोन लेने के लिए ज्यादा

अवसर नहीं बन पाते हैं।

क्या थी मुश्किल

किसी लोन को मंजूरी देने से पहले कर्जदाताओं को अक्सर जानकारी के कई सेटों की आवश्यकता होती है। वर्तमान में, लोन या क्रेडिट को मंजूरी देने के लिए जरूरी डेटा केंद्र और राज्य सरकारों, अकाउंट एग्रीगेटर्स, बैंकों और क्रेडिट सूचना ब्यूरो जैसी विभिन्न संस्थाओं के पास उपलब्ध है। इससे बहुत सी मुश्किलें आती हैं और लोन मंजूर होने में कई दिन लग जाते हैं। अक्सर एक सप्ताह या महीना भी लग जाता है। इस प्रक्रिया को आसान और झंझट मुक्त बनाने के लिए केंद्रीय बैंक यह प्लेटफॉर्म लेकर आया है ताकि यहां से कर्जदाता लोन देने से पहले तमाम तरह की जरूरी जानकारी डिजिटली पा सकेंगे।

पायलट प्रोजेक्ट के दौरान इस टेक्नोलॉजी प्लैटफॉर्म पर मौजूदा बैंक 1.6 लाख रुपये के किसान क्रेडिट कार्ड लोन, दूध उत्पादकों को लोन, किसी जमानत के बगैर MSME इंडस्ट्री को लोन, पर्सनल लोन और होम लोन देने का काम कर सकेंगे। मतलब कई दिनों का काम मिनटों में हो जाएगा। जानकारों का कहना है कि इस तरह से फिनटेक कंपनियों पर लोन के मामलों पर केंद्रीय बैंक की निगाह रहेगी। इससे लोगों को बिना परेशानी और तेजी से लोन उपलब्ध कराया जा सकेगा और RBI के प्लेटफॉर्म का मकसद लोन संबंधी मामलों में NBFC कंपनियों पर निगाह रखने की भी है।

RBI ने तो ब्याज दर नहीं बढ़ाई, फिर क्यों महंगे हो रहे हैं लोन?

एक्सिस बैंक ने गुरुवार को RBI के पब्लिक टेक प्लेटफॉर्म के पायलट प्रोजेक्ट के तहत प्रति उधारकर्ता 1.6 लाख रुपये तक के कर्ज, 10 लाख रुपये तक के अनसिक्योर्ड MSME लोन और किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) की पेशकश की घोषणा की। एक्सिस बैंक ने कहा कि पायलट कार्यक्रम के तहत, दोनों लोन प्रोडक्ट डिजिटल रूप से दिए जाएंगे और कर्ज लेने वालों को कोई डॉक्यूमेंट्स जमा करने की जरूरत नहीं होगी। बैंक पैन सत्यापन के लिए सुरक्षित और सहमति-आधारित कस्टमर डेटा तक पहुंचने के लिए बैंक RBI के इनोवेशन हब के तकनीकी प्लेटफॉर्म का लाभ उठाएगा।

बैंकों में पड़ी लावारिस जमा राशि का पता लगाएगा RBI का ये पोर्टल

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों में जमा लवारिस पड़ी राशि का मालिक ढूंढने के लिए एक पोर्टल को लॉन्च किया है। इसकी मदद से कस्टमर्स को काफी सहूलियत मिलने वाली है। RBI ने गुरुवार को केंद्रीकृत वेब पोर्टल उद्गम (UDGAM) लॉन्च किया है। इस पोर्टल के जरिए एक ही प्लेटफॉर्म पर कई बैंकों में जमा अनक्लेम्ड पैसे का पता आसानी से चल सकेगा। भारतीय रिज़र्व बैंक ने 06 अप्रैल 2023 को डेवलपमेंट और रेगुलेटरी पॉलिसी पर बयान देते हुए कहा था कि एक लावारिस जमा की खोज के लिए एक सेंट्रलाइज्ड वेब पोर्टल तैयार किया जाएगा।

RBI द्वारा जारी किए गए नोटिस के अनुसार, बैंक अपनी वेबसाइटों पर लावारिस जमा राशियों की लिस्ट शेयर करते हैं। ऐसे डेटा को जमाकर्ताओं और लाभार्थियों तक आसानी से पहुंचाने के लिए रिजर्व बैंक ने यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तैयार किया है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए यूजर्स के इनपुट के आधार पर संभावित लावारिस जमा राशि को अलग-अलग बैंकों में खोजा जा सकेगा।

किसनें बनाया है UDGAM पोर्टल

आरबीआई की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रिज़र्व बैंक सूचना प्रौद्योगिकी प्राइवेट लिमिटेड (ReBIT), भारतीय वित्तीय प्रौद्योगिकी और संबद्ध सेवाएँ (IFTAS) और भाग लेने वाले कई बैंकों ने इस पोर्टल को विकसित करने में सहयोग किया है। फिलहाल ग्राहक पोर्टल पर लिस्टेड सिर्फ सात बैंकों में मौजूद अपनी लावारिस जमा राशि के बारे में जानकारी देख सकेंगे।

UDGAM पोर्टल पर उपलब्ध बैंकों के नाम

भारतीय स्टेट बैंक (SBI), पंजाब नेशनल बैंक (PNB), साउथ इंडियन बैंक लिमिटेड, डीबीएस बैंक इंडिया लिमिटेड, सिटीबैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और धनलक्ष्मी बैंक लिमिटेड वहीं, UDGAM Portal पर बाकी बैंकों के लिए यह सुविधा 15 अक्टूबर 2023 तक शुरू की जाएगी ।

क्या होता है अनक्लेम्ड डिपॉजिट?

'अनक्लेम्ड डिपॉजिट्स' या लावारिश जमा उन बचत या चालू खातों में पड़े धन को कहा जाता है जिनका उपयोग 10 वर्षों से कस्टमर द्वारा नहीं किया गया हो या ऐसे सावधि जमा (fixed deposit) में जिनका मैच्योरिटी डेट के 10 वर्षों तक भुगतान नहीं किया गया है। बता दें पब्लिक सेक्टर के बैंकों ने फरवरी 2023 तक करीब 35,000 करोड़ रुपये की अनक्लेम्ड जमा राशि को RBI को ट्रांसफर किया था। यह पैसा ऐसा अकाउंट से जुड़ा था जो 10 साल या इससे ज्यादा समय से नहीं चल रहे थे।

फर्जी कॉल और फ्रॉड से अब मिलेगी मुक्ति

सरकार ले आई है नए नियम, डीलर्स की बढ़ेगी झंझट

नई दिल्ली । एजेंसी

सरकार ने गुरुवार को फर्जी कॉल को रोकने और थोक सिम कार्ड जारी करने पर रोक लगाने के लिए दो महत्वपूर्ण उपायों की घोषणा की है। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अब सिम कार्ड डीलरों के लिए पुलिस सत्यापन अनिवार्य किया जा रहा है और उनके लिए बायोमेट्रिक सत्यापन भी होगा। मंत्री ने कहा कि बिक्री स्थल पर डीलरों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया गया है। इससे सिम कार्ड बेचने वाले डीलर किसी भी तरह की धोखाधड़ी के लिए जवाबदेह होंगे। एक अन्य बड़े कदम में सरकार सिम कार्ड की थोक खरीद बंद कर देगी। मंत्री ने आगे बताया कि इन दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वालों पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

डीलर्स का होगा पुलिस वेरिफिकेशन

वैष्णव ने कहा कि कई बल्क कनेक्शनों के विस्तृत अध्ययन के बाद बल्क कनेक्शन प्रणाली को खत्म करने का निर्णय लिया गया है। वैष्णव ने कहा, 'मोबाइल सिम कार्ड के नए डीलरों के लिए पुलिस सत्यापन और बायोमेट्रिक सत्यापन से गुजरना अनिवार्य होगा। अब सभी पॉइंट-ऑफ-सेल डीलरों के लिए भी पंजीकरण अनिवार्य होगा।'

52 लाख कनेक्शनों को किया डीएक्टिवेट

उन्होंने आगे बताया कि इस साल मई में संचार साथी पोर्टल के लॉन्च के बाद से सरकार ने 52 लाख कनेक्शनों का पता लगाया और उन्हें निष्क्रिय कर दिया जो धोखाधड़ी से प्राप्त किए गए थे। वैष्णव ने कहा कि मोबाइल सिम कार्ड बेचने में लगे 67,000 डीलरों को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया

है। साथ ही मई 2023 से 300 सिम कार्ड डीलरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मंत्री ने बताया कि पहले लोग थोक में मोबाइल सिम कार्ड खरीदते थे।

10 लाख सिम कार्ड डीलर

हालांकि, अब इस प्रावधान को खत्म करने का निर्णय लिया गया है और इसके स्थान पर उचित व्यावसायिक कनेक्शन का प्रावधान लाया जाएगा। जिससे धोखाधड़ी वाली कॉल को रोकने में मदद मिलेगी। वैष्णव ने कहा कि 10 लाख सिम कार्ड डीलर हैं, जिन्हें पुलिस सत्यापन से गुजरने के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दूरसंचार मंत्रालय ने भी थोक कनेक्शन जारी करना बंद कर दिया है और इसके स्थान पर बिजनेस कनेक्शन का नया प्रावधान लाया जाएगा। वैष्णव ने कहा, 'व्यवसायों के केवाईसी के अलावा, सिम कार्ड प्राप्त करने वाले व्यक्ति का भी केवाईसी किया जाएगा।'

ह्यूमनॉइड रोबोट : फांतासी या वास्तविकता

राजकुमार जैन
स्वतंत्र विचारक एवं विचारक

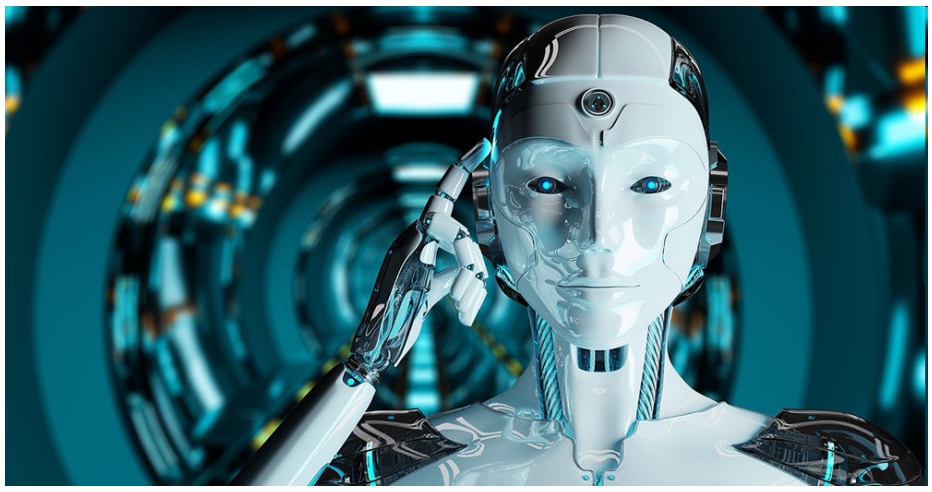

कहते हैं कि बदलाव ही चिर स्थायी है और मानवता के विकास के लिए परिवर्तन आवश्यक है। कितना रोमांचक है यह बदलाव ! विज्ञान, कंप्यूटर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस दौर में कुछ भी असंभव नहीं रहा. यूं तो दुनिया का पहला रोबोट साल 1954 में ही अस्तित्व में आ गया था। लेकिन रोबोट का आधुनिक और विकसित रूप अब सामने आ रहा है. ये रोबोट सिर्फ इंसान की तरह काम ही नहीं करते बल्कि दिखते भी हैं। और दुनिया के सबसे एडवांस ह्यूमनॉइड रोबोट इंसानों के हाव भाव की नकल भी उतार सकते हैं।

ह्यूमनॉइड रोबोट तकनीक का एक ऐसा कल्पनातीत अविष्कार है जिसको हमने केवल विज्ञान फन्तासी फिल्मों में ही देखा था, लेकिन वो फिल्म देखते हुए किसे पता था कि एक दिन विज्ञान इतनी प्रगति कर लेगा कि वैज्ञानिक ऐसे रोबोट बनाने में कामयाब होंगे जो बिलकुल इंसान की तरह काम करेगा, उसमे दिमाग, भावना, और संवेदना भी होगी और तो और वो कुछ ऐसा भी करने में सक्षम होगा जो मानवीय सीमाओं के परे होगा।

कथा साहित्य में अलौकिक प्राणियों के संबंध में, ह्यूमनॉइड शब्द का प्रयोग आम तौर पर उन विदेशी प्राणियों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है जिनकी शारीरिक संरचना आम तौर पर मानव की तरह होती है, जिसमें सीधा रुख और द्विपादता के साथ-साथ बुद्धि भी शामिल होती है।

यूं तो टर्मिनेटर जैसे ह्यूमनॉइड्स ने लंबे समय तक फिल्मों में हमारा मनोरंजन किया है लेकिन वास्तविक ह्यूमनॉइड फ़िल्मों की तरह ग्लैमरस नहीं होंगे। बिजली की खपत, वजन अनुकूलन, यांत्रिक कठोरता, एज कंप्यूटिंग, घटक विश्वसनीयता और सुरक्षित ह्यूमनॉइड डिज़ाइन जैसी प्रमुख इंजीनियरिंग बाधाओं के चलते सटीक कार्यात्मक ह्यूमनॉइड बनाना एक कठिन काम बना हुआ है। ।

विश्व का पहला डिजिटली प्रोग्रामेबल रोबोट युनिमेशन के जॉर्ज देवोल द्वारा निर्मित यूनिमेट था, इसे मूर्त रूप में आने में 5 साल लगे थे। इसीके परिष्कृत रूप में 2016 में दुनिया के पहले वास्तविक ह्यूमनॉइड सोफिया का अवतरण हुआ था जिसे सऊदी अरब ने अपनी नागरीकता प्रदान की है। और अब एलन मस्क की कंपनी ऑपटीमस ह्यूमनॉइड लेकर आ रही है। हाल ही में एक कार्यक्रम ने इसे दिखाया गया था। यह एकदम इंसानो की तरह चल सकता है, बोझा उठा सकता है, पौधों को पानी दे सकता है। 73 किलो वजनी यह रोबो बैटरी से चलेगा। एक बार चार्ज करने पर ये पूरा दिन चल सकता है। हाल ही में कार्नवाल इंग्लैंड की कंपनी इंजीनियर्ड-आर्ट्स ने दावा किया है कि उन्होंने दुनिया का सबसे अच्छा हूबहू मानव जैसा दिखने वाला ह्यूमनॉइड रोबोट अमेका बनाया है और यह पूरी तरह से कृत्रिम मेधा पर आधारित है।

आज हम देखते हैं कि 2023 के ह्यूमनॉइड रोबोट, परिष्कृत तकनीक के उस स्तर तक पहुंच चुके हैं जो कभी विज्ञान कथा के दायरे में सिमटा हुआ था। सटीक अभिव्यक्ति, चेहरे के भाव और यहां तक कि मानव स्पर्श की नकल करने वाली सिंथेटिक त्वचा के साथ इन रोबोटों में अधिक जीवंतता दिखाई पड़ती है।

ह्यूमनॉइड्स के निर्माण में प्रमुख रूप से तीन तकनीकों का उपयोग होता है. सेंसर या संवेदक एक ऐसा उपकरण है जो रोबोटिक प्रतिमानों को संवेदन प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सेंसर को उस भौतिक प्रक्रिया के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है जिसके साथ वे काम करते हैं या माप की जानकारी के प्रकार के अनुसार जो वे आउटपुट के रूप में देते हैं जैसे ह्यूमनॉइड के शरीर और जोड़ों की स्थिति, अभिविन्यास और गति, त्वरण, वेग, झुकाव, पर्यावरण के साथ संपर्क बल, भौगोलिक स्थिति, स्पर्श, दृष्टि, ध्वनि आदि।

दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा है एक्चुएटर्स जो रोबोट में गति के लिए जिम्मेदार मोटर हैं। ह्यूमनॉइड रोबोट का निर्माण इस तरह से किया जाता है कि वे मानव शरीर की नकल करते हैं। ह्यूमनॉइड रोबोट के एक्चुएटर्स या तो इलेक्ट्रिक, वायवीय या हाइड्रोलिक हो सकते हैं।

अंतिम लेकिन अति महत्वपूर्ण भाग है योजना और नियंत्रण, रोबोट में योजना बनाना रोबोट के लिए गतियों और प्रक्षेप पथों की योजना बनाने की प्रक्रिया है। नियंत्रण इन नियोजित गतियों और प्रक्षेप पथों का वास्तविक निष्पादन है।

ह्यूमनॉइड रोबोट की उपयोगिता कई क्षेत्रों तक फैली हुई है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में पेशेवरों के सहायक के रूप में, शिक्षा के क्षेत्र में, छात्रों को संलग्न करने और शिक्षित करने के लिए, विनिर्माण परिदृश्य में दक्षता और सटीकता बढ़ाने के लिए, ग्राहक सेवा प्रतिनिधियों के रूप में ये रोबोट पूछताछ में सहायता कर सकते हैं, मनोरंजन उद्योग में ह्यूमनॉइड रोबोट दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं।

ह्यूमनॉइड रोबोट की क्षमता अंतहीन है लेकिन उनका विकास अत्यंत चुनौती पूर्ण कार्य है। एक रोबोट से वास्तव में मानव गति, चेहरे के भाव और व्यवहार का हूबहू अनुकरण करवाना एक जटिल कार्य है। जिसको प्राकृतिक रूप मे दर्शाने के लिए अति उन्नत एआई और रोबोटिक्स अनुसंधान की आवश्यकता है।

इनके विकास के साथ कई नैतिक दुविधाएँ भी सर उठा रही है। यह कैसे सुनिश्चित किया जाएगा कि रोबोट मनुष्यों के साथ नैतिक और सम्मानजनक व्यवहार करेंगे। क्या होगा यदि रोबोट अपने निर्माता/आविष्कारक के खिलाफ़ होकर उनके नियंत्रण से बाहर निकल जाए। अति उन्नत एआई और अत्यधिक प्रभावी सेंसर से सज्जित ह्यूमनॉइड रोबोट बड़ी मात्रा में डेटा एकत्र कर सकते हैं। इस डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करना, साथ ही संभावित दुरुपयोग से बचाव करना एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है।

यह स्पष्ट है कि ह्यूमनॉइड रोबोट की विकास यात्रा नवाचार, नैतिकता और सामाजिक अनुकूलन के बीच की एक जटिल परस्पर क्रिया है। ह्यूमनॉइड रोबोट हमारे जीवन के विभिन्न पहलुओं को बदलने की क्षमता वाले बहुमुखी उपकरणों के रूप में विकसित हो रहे हैं। लेकिन एक आत्म जागरूक मशीन बनाना अभी भी दूर की कौड़ी है। ऐसा लगता है कि हम इस बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं कि मस्तिष्क और चेतना कैसे काम करती है; बहुत सारा डेटा है लेकिन कोई एकीकृत सिद्धांत नहीं है।

नकली दुनिया और कृत्रिम अनुभवों में हम जितना आगे बढ़ते हैं, पारंपरिक मानवीय संपर्क से हम उतना ही दूर होते जाते हैं। बुद्धिमान डिज़ाइन और उन्नत प्रौद्योगिकियाँ प्रकाश की गति से आगे बढ़ सकती हैं, लेकिन अगर हम पारस्परिक स्तर पर एक-दूसरे से संबंधित नहीं हो सकते हैं और भावनात्मक अस्थिरता और मनोविकृति को नहीं पहचान सकते हैं तो इससे अधिकांश मनुष्यों को लाभ नहीं होगा।

ईश्वर ने मनुष्य को ज्ञान और बुद्धि दी है तो हम इन दो अनुपम उपहारों का उपयोग ब्रह्मांड को एक बेहतर स्थान बनाने में करें। हमारे सामने एक बहुत दिलचस्प भविष्य है जो एक स्वपनलोक की तरह प्रतीत होता है ।

इस स्वप्न को वास्तविकता में बदलने के लिए हम सामूहिक रूप से सबसे प्रभावी तरीकों को आजमाने का बेहतरीन विकल्प चुन सकते हैं जिससे हम इस तकनीक से हम पर, हमारे समाज और हमारे पर्यावरण पर होने वाले लाभ को अधिकतम अर्जित कर सकें।

चीन की आर्थिक मंदी पूरी दुनिया के लिए है खतरनाक

ड्रैगन की हालत से घबराए हैं कई देश

बीजिंग। एजेंसी

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन इस समय बड़े संकट में है। एशिया की आर्थिक महाशक्ति की अर्थव्यवस्था से आने वाले आंकड़े डराने वाले हैं। अब पूरी दुनिया चीन की कमजोर होती अर्थव्यवस्था और बड़े आर्थिक संकट की आहट से ही घबरा रही है। आखिर ऐसी क्या बात है जो चीन की अर्थव्यवस्था का ऐसे कमजोर होना या इसकी धीमी गति से पूरी दुनिया को डरा रही है? इसकी वजह है कि चीन को ग्लोबल फैक्ट्री और मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर जाना जाता है। इस देश में कई बड़ी कंपनियों की फैक्ट्रियां हैं और यहां से तैयार सामान को भारी मात्रा में दुनिया में सप्लाई किया जाता है।

कई चीजों का टॉप सप्लायर

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने अपने नए वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में भविष्यवाणी की है कि चीन दुनिया की जीडीपी में 22 फीसदी से ज्यादा का योगदान देने वाला है। यह बात भी सच है कि चीन कई देशों के लिए द्विपक्षीय ट्रेड पार्टनर है, यह कई चीजों का टॉप सप्लायर है और इस वजह से ही इसे दुनिया की मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर जाना जाता है। दुनिया की कई बड़ी कंपनियों की सप्लाई चेन चीन में ही है चाहे वह टेस्ला हो या फिर एप्पल। सीधे शब्दों में कहें तो चीन दुनिया की सबसे बड़ी मैन्युफैक्चरिंग अर्थव्यवस्था और कई चीजों का सबसे बड़ा निर्यातक देश है।

दुनिया उबर रही मंदी से!

इसके अलावा यह देश धातुओं सहित कई प्रमुख चीजा का सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। दुनिया की धातु खपत का लगभग आधा हिस्सा चीन का है। ऐसे में साफ है कि चीन की आर्थिक गतिविधि में गिरावट वैश्विक मांग और आपूर्ति के संतुलन को गंभीर रूप से बिगाड़ सकती है। ऐसे समय में जब दुनिया कोविड-19 और यूक्रेन युद्ध जैसी घटनाओं की वजह से आई आर्थिक मंदी से उबरना शुरू कर रही है तो उस समय चीन की अर्थव्यवस्था का यह हाल निश्चित तौर पर अच्छी खबर नहीं है।

कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर रहा है कि चीन की अर्थव्यवस्था खराब स्थिति में है। यह तब है चीन ने प्राइवेट इकोनॉमी को बढ़ावा देने और बिजनेस को सुरक्षित बनाने की कसम खा चुका है। लेकिन इसके बाद भी उसकी हर कोशिश फेल होती नजर आ रही है।

पहले और अब में क्या अंतर

जुलाई के लिए देश की आर्थिक गतिविधि के आंकड़े चिंताजनक हैं। इन आंकड़ों में खुदरा बिक्री, इंडस्ट्री प्रोडक्शन और इनवेस्टमेंट जैसे प्रमुख संकेतक उम्मीदों से अलग नतीजे पेश कर रहे हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब चीन की अर्थव्यवस्था संकट में आई है। साल 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान और साल 2015 में भी चीन को इसी तरह के झटके का सामना करना पड़ा। लेकिन दोनों अवसरों पर, सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे में निवेश और संपत्ति बाजार को बढ़ावा देने से चीनी अर्थव्यवस्था मजबूत होकर उभरी। आज ये दोनों ही सेक्टर्स खराब स्थिति में हैं।

सावन के आखिरी दिनों में कई शुभ मुहूर्त

31 अगस्त तक हर तरह की खरीदारी, नई शुरुआत और रियल स्टेट में निवेश के लिए 7 दिन रहेंगे शुभ

सावन महीना 31 अगस्त तक रहेगा। इस महीने के आखिरी दिनों में तिथि, वार, नक्षत्र और ग्रहों की स्थिति से कई शुभ योग बन रहे हैं। जिनमें खरीदारी, निवेश और नए कामों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। साथ ही इस महीने प्रॉपर्टी और व्हीकल खरीदारी के साथ ही रियल स्टेट में निवेश के लिए 7 शुभ मुहूर्त रहेंगे।

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

ये मुहूर्त तिथि, वार, नक्षत्र और ग्रहों के योग से बन रहे हैं। इनमें वृद्धि, महालक्ष्मी, राजयोग और रवियोग रहेंगे इन शुभ तारीखों में की गई खरीदारी या निवेश से फायदा और बढ़ जाएगा।

सावन में दक्षिणायन और देवशयन फिर भी खरीदारी के मुहूर्त

सूर्य के कर्क राशि में आने के बाद दक्षिणायन शुरू हो गया है। जो कि अगले 6 महीने तक रहेगा। देवशयन होने से चातुर्मास भी चल रहा है। फिर भी इन दिनों में खरीदारी की जा सकती है।

पुराणों में बताया गया है कि दक्षिणायन, देवशयन और अधिक मास के दौरान शुभ काम नहीं किए जाते हैं। लेकिन इंदौर के ज्योतिषाचार्य डॉ. संतोष वाधवानी के मुताबिक ज्योतिष के मुहूर्त ग्रंथों में बताया गया है कि इस दौरान खरीदारी करने से कोई दोष नहीं लगता है। साथ ही पूरे साल खरीदारी की जा सकती है। चाहे वो पितृपक्ष हो, खरमास, धनुर्मास या अधिक मास हो।

आखिरी 10 दिनों में 7 शुभ मुहूर्त

डॉ. वाधवानी बताते हैं कि सावन के आखिरी दिनों में व्हीकल, ज्वेलरी और जरूरी चीजों की खरीदारी के साथ ही नई शुरुआत और रियल एस्टेट में निवेश के लिहाज से 7 अलग-अलग शुभ मुहूर्त रहेंगे।

22 अगस्त - रवियोग बनने से इस दिन हर तरह की विशेष खरीदारी करने के लिए शुभ मुहूर्त रहेगा। 24 अगस्त - व्हीकल और प्रॉपर्टी खरीदारी के लिए इस दिन विशेष शुभ मुहूर्त है। 25 अगस्त - इस दिन व्हीकल के अलावा अन्य विशेष चीजों की खरीदारी की जा सकती है। प्रॉपर्टी खरीदारी के लिए भी विशेष मुहूर्त रहेगा। 26 अगस्त - इस दिन हर तरह की विशेष खरीदारी की जा सकती है। 29 अगस्त - हर तरह की विशेष खरीदारी करने के लिए शुभ मुहूर्त 30 अगस्त - व्हीकल खरीदने के लिए इस दिन तिथि, वार और नक्षत्रों से विशेष मुहूर्त बन रहा है। 31 अगस्त - इस दिन भी व्हीकल खरीदारी के लिए विशेष शुभ मुहूर्त रहेगा।

सावन का बुधवार भी पर्व होता है

इस शुभ संयोग में भगवान शिव के साथ विष्णु पूजा करने का भी विधान, रुद्राक्ष और दीपदान से मिलता है पुण्य

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

सावन महीना 31 अगस्त तक रहेगा। ये भगवान शिव का प्रिय महीना है। शिव पुराण के मुताबिक इन दिनों शिवजी की विशेष पूजा की जाती है। वहीं, भविष्य और विष्णुधर्मोत्तर पुराण के मुताबिक सावन महीने में भगवान विष्णु का अभिषेक और पूजा करने से हर तरह के दोष खत्म हो जाते हैं। इस दिन व्रत रखकर दान दिया जाता है। साथ ही तुलसी पूजा करने का भी विधान बताया गया है। भगवान हरि यानी विष्णुजी और हर यानी शिवजी की पूजा होने से इस दिन को पर्व भी कहा गया है।

सावन के बुधवार को भगवान विष्णु-लक्ष्मी की पूजा

श्रावण मास के बुधवार को भगवान विष्णु के साथ ही देवी लक्ष्मी का अभिषेक करें। पूजा में दक्षिणावर्ती शंख में केसर मिश्रित दूध भरें और अभिषेक करें। बाल गोपाल का भी इसी तरह अभिषेक करें। श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को माखन-मिश्री का भोग लगाएं।

तुलसी पूजाः इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर तीर्थ स्नान करना चाहिए। इसके बाद तांबे के लोटे में साफ जल भरकर उसमें गंगाजल की कुछ बूंदे डालें फिर तुलसी के पौधे में जल चढ़ाएं। फिर कुमकुम, चंदन, अक्षत, हल्दी, मेहंदी और फूल चढ़ाकर घी का दीपक लगाएं। इसके बाद पौधे की परिक्रमा करें। शाम को सूर्यास्त के समय भी दीपक लगाना चाहिए।

शिव पूजाः सावन का महीना होने से इस दिन शिवलिंग पर तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं और ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। मंत्र जाप की संख्या कम से कम 108 होनी चाहिए। भगवान को बिल्व पत्र और धतूरा भी चढ़ाएं। दीपक और कर्पूर जलाकर आरती करें।

किन चीजों का दान करें

सावन महीने के बुधवार को जरुरतमंद लोगों को कपड़े, खाना, फलों का रस, नमक, जूते-चप्पल और छाते का दान करने का विधान है। इस दिन घी, गुड़, काले तिल, रुद्राक्ष और दीपदान भी करना चाहिए। माना जाता है इन चीजों के दान से मिलने वाला पुण्य लंबे समय तक शुभ फल देता है। साथ ही जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप भी खत्म होते हैं।

मंगलवार को व्रत करते समय इन बातों का रखें ध्यान

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक, मंगलवार का दिन हनुमान जी का दिन माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि मंगलवार को विधि-विधान के साथ व्रत रखने और हनुमान जी की उपासना करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। मंगलवार का व्रत करने से जातक पर हनुमान जी की कृपा बनी रहती है।

मंगलवार को ब्रह्मचर्य का पालन

हिंदू मान्यताओं के मुताबिक, मंगलवार को ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। इसके अलावा यदि किसी जातक की लग्न कुंडली में मंगल ग्रह की स्थिति शुभ नहीं हैं और मंगल दोष का सामना करना पड़ता तो भी मंगलवार का व्रत करना फलदायी होता है। इस व्रत से हनुमान जी की कृपा भी प्राप्त होती है। इस व्रत को करने से जातक में आत्मविश्वास पैदा होता है और बुरे कर्मों से बचाव होता है।

मंगलवार व्रत के लाभ

ज्योतिषविद् चंद्रशेखर मलतारे के मुताबिक, जिन जातकों की लग्न कुंडली में मंगल अशुभ स्थिति में होता है तो ऐसे लोग उग्र, चिड़चिड़े या हिंसात्मक स्वभाव के हो जाते हैं। इस लोगों के विवाह में भी काफी दिक्कतें आती है। शुभ व मांगलिक कार्यों में हमेशा रुकावट आती है।

ऐसे करें मंगलवार व्रत

मंगलवार को प्रातःकाल स्नान करके लाल वस्त्र धारण करें।

हनुमान जी की उपासना करें और व्रत का संकल्प लें।

मंगल मंत्र का जाप करके शाम को हनुमान जी को सिंदूर और चमेली का तेल अर्पित करें।

हनुमान जी की आरती उतारें

प्रसाद में मीठी चीजों का सेवन करें।

मंगलवार को नमक से परहेज करें।

इस मंत्र का करें मंगलवार को जाप

ॐ अं अंगारकाय नमः

'ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः

भूलकर न करें ये गलतियां

मंगलवार के व्रत में पवित्रता का विशेष ध्यान रखें।

पूजा के दौरान मन को स्थिर रखें।

श्री रोशनी शर्मा
9265235662
हस्त रेखा एवं फेस रीडर (ज्योतिषाचार्य)

काले या सफेद वस्त्र पहनकर हनुमानजी की पूजा न करें।

पूजा के दौरान लाल कपड़े पहनना शुभ होता है।

व्रत के दौरान सिर्फ एक बार भोजन करना चाहिए।

ये हैं भगवान शिव के वे दो अवतार, जो आज भी हैं जीवित!

इस समय सावन का पवित्र महीना चल रहा है। भगवान शिव को कालों के काल महाकाल कहा जाता है। धर्म की रक्षा करने के लिए भगवान शिव ने अवतार लिए हैं। भगवान शिव की गिनती त्रिदेवों में होती है। शिव जी को तंत्र-मंत्र का अधिष्ठात्री देवता कहा जाता है। भगवान शिव ने दुष्ट असुरों का संहार करने के लिए समय-समय पर कई अवतार लिए हैं। कुछ अवतार भोलेनाथ ने देवताओं का अभिमान तोड़ने के लिए भी लिए हैं। धर्म-शास्त्रों के अनुसार भगवान शिव ने 19 अवतार लिए हैं। इनमें से कुछ अवतार काफी खास हैं। शिव जी के दो अवतार ऐसे हैं, जो आज भी जीवित हैं।

शिवजी के 19 अवतार

वीरभद्र अवतार
पिप्पलाद अवतार
नंदी अवतार
भैरव अवतार
अश्वत्थामा अवतार
शरभावतार
ग्रह पति अवतार
ऋषि दुर्वासा अवतार
हनुमान
वृषभ अवतार
यतिनाथ अवतार
कृष्णदर्शन अवतार
अवधूत अवतार
भिक्षुवर्य अवतार
सुरेश्वर अवतार
किरात अवतार
ब्रह्मचारी अवतार
सुनटनर्तक अवतार
यक्ष अवतार

आज भी जीवित हैं, ये दो अवतार

हनुमान जी

माना जाता है कि भगवान शिव के अवतारों में से एक हनुमान जी आज भी जीवित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब देवताओं और दानवों के बीच विष्णु जी के मोहनी रूप से द्वारा अमृत बांटा जा रहा था, तो भगवान भोलेनाथ मोहिनी रूप को देखकर मोहित हो गए थे। सप्त ऋषियों ने भोलेनाथ जी के वीर्य को कुछ पत्तों पर इकट्ठा कर लिया। बाद में समय आने पर इसी वीर्य को वानरराज केसरी की पत्नी अंजनी के कान के माध्यम से उनके गर्भ में स्थापित किया गया। इस तरह भगवान राम के भक्त हनुमान जी का जन्म

हुआ। कहा जाता है कि भगवान हनुमान को 1000 से भी अधिक हाथियों का बल प्राप्त था। साथ ही उन्हें भूत-प्रेत का काल और संकट मोचन कहा जाता है। हनुमान जी की भक्ति देखकर माता सीता ने उन्हें अमरता का वरदान दिया था और आज भी हनुमान जी जीवित हैं।

अश्वत्थामा

भगवान शिव के पांचवें अवतार को अश्वत्थामा का नाम दिया गया था। यह अवतार गुरु द्रोणाचार्य के घर उनके पुत्र के रूप में हुआ था। द्रोणाचार्य ने भगवान भोलेनाथ को पुत्र के रूप में पाने के लिए कठिन तपस्या की थी और भोलेनाथ ने प्रसन्न होकर उनके पुत्र के तौर जन्म लेने का वरदान दिया था। साथ ही अश्वत्थामा को भी अमरता का वरदान मिला था। माना जाता है कि आज भी अश्वत्थामा धरती पर विचरण कर रहे हैं।

जबरदस्त फीचर के साथ टाटा पंच आई सीएनजी कार लांच

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

लसूड़िया ए बी रोड पर स्थित जगदीश ऑटोमोटिव टाटा शोरुम में शानदार फीचर के साथ टाटा मोटर्स की पंच आई सीएनजी कार की लांचिंग की गई। जगदीश ऑटोमोटिव टाटा के महाप्रबंधक श्री धीरज रामचंदानी व जनरल मैनेजर सेल्स श्री अंशुल जैन जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। इस दौरान जगदीश ऑटोमोटिव टाटा के महाप्रबंधक श्री धीरज रामचंदानी ने गाड़ी की खासियत के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि पंच आई सीएनजी कार के लूक और फीचर्स को बेहतर शानदार तरीके से तैयार किया गया है। सीएनजी कारों की सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि उनमें बूट स्पेस खत्म हो जाता है लेकिन टाटा पंच आई सीएनजी ने इस समस्या का समाधान कर दिया है और बूट स्पेश 210 लीटर दिया हुआ है। इसमें ट्विन सिलेंडर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया

है। जिसके तहत 60 लीटर के बड़ेसिलेंडर को दो भांगों में बांटकर रखा गया है।

इसके अलावा टाटा पंच आई सीएनजी में कई खास फीचर्स हैं यह गाड़ी 1.2 लीटर के पेट्रोल इंजन और आई सीएनजी के साथ आती है जो 73.5 पीएस और 103 एनएम की टॉर्क प्रदान करता है। इसके साथ ही यह 5 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ आती है। इसकी फ्यूल एफिसिएंसी 26 किलोमीटर प्रति किलो हो सकती है। टाटा पंच आई सीएनजी में कई मोडर्न फीचर जैसे टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल और मल्टी-फंक्शनल स्टीयरिंग व्हील उपलब्ध है ।

क्या है डुअल सिलिंडर टेक्नोलॉजी

जगदीश ऑटोमोटिव टाटा के महाप्रबंधक श्री धीरज रामचंदानी ने बताया कि टाटा पंच आई सीएनजी की खास बात ये है कि सीएनजी कार होने के बावजूद इसमें आपको बूटस्पेस से कोई समझौता नहीं करना होगा। इसमें सीएनजी सिलिंडर को बूट के नीचे स्थापित किया गया है और ऊपर से एक मजबूत ट्रे दी गई है, जो इसके बूट को ऊपर-नीचे दो हिस्सों में बांटता है। टाटा मोटर्स का दावा है कि ये देश की पहली सीएनजी गाड़ियां हैं जो कि डुअल सिलिंडर टेक्नोलॉजी के साथ आती हैं यानी कि एक कार में दो सिलिंडर दिए गए हैं।

टाटा पंच के मुख्य स्पेसिफिकेशन

जगदीश ऑटोमोटिव टाटा के जनरल मैनेजर सेल्स श्री अंशुल जैन ने बताया कि टाटा पंच आई सीएनजी के फाइव स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ मुख्य फीचर्स पावर स्टीयरिंग, पावर विंडो फ्रंट, एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम, एयर कंडीशन, ड्राइवर एयरबैग, पैसेंजर एयरबैग, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल, फॉग लाइट्स फंट एवं अलॉय व्हील शामिल है।

NDTV मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ का लॉन्च

भोपाल। आईपीटी नेटवर्क

भारत का अग्रणी ब्रॉडकास्ट नेटवर्क ञ्ऊ्र 21 अगस्त 2023 को NDTV मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ के साथ अपना पहला क्षेत्रीय चैनल लॉन्च कर रहा है। हमारा क्षेत्रीय चैनल और हमारी वेबसाइट mpcg.ndtv.in आप तक पहुंचाएंगे ञ्ऊ्र का वही भरोसा हिंदुस्तान के दिल से। NDTV मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सिर्फ़ राज्य की राजनीति पर ही केंद्रित नहीं होगा। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ की जनता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का मतलब है कि हमारी खबर सिर्फ़ भोपाल या रायपुर से नहीं बताई जाएगी, ग्राउंड रिपोर्ट पर हमारा ज़ोर जनता की आवाज़ बनेगा। हमारा फ़ोकस होगा गांवों, कस्बों से जुड़ी हर छोटी से छोटी खबर, महिलाओं-युवाओं के मुद्दे, शहरों से जुड़ी बारीक खबरें, सियासी गलियारों से लेकर जलवायु और वो तमाम मुद्दे जिससे बनती बदलती है आपकी दुनिया, साथ ही चुनावी कवरेज के दौरान दिखेगी ञ्ऊ्र की विरासत. वही ठोस और सटीक विश्लेषण जो क्षेत्रीय चैनल को वैश्विक स्तर का बनाएगा।

NDTV मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ के लॉन्च पर NDTV के कार्यकारी निदेशक और प्रधान संपादक संजय पुगलिया ने कहा, 'क्षेत्रीय होने का हमारा फैसला इन राज्यों, कस्बों और गांवों में रहने वाले लोगों को एक दम सतही और प्रासंगिक खबर पेश करने की चाहत को पैदा करता है। हम NDTV के भरोसे की विरासत को मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ तक लेकर जाएंगे और हम मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के लोगों को वो खबरें देंगे जो उनके लिए मायने रखती हैं.''

इस भावना को जोड़ते हुए NDTV के कार्यकारी निदेशक, सेंथिल चेंगलवरायण ने कहा, 'NDTV के क्षेत्रीय चैनल उन खबरों को लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिन पर आप भरोसा कर सकते हैं और मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए ञ्ऊ्र की 35 सालों की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। लॉन्च पर पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई.'

इन तीन देशों में बनती है दुनिया की आधी वाइन

नई दिल्ली। एजेंसी

दुनिया में वाइन का चलन तेजी से बढ़ रहा है। हाल के दिनों में भारत में भी खासकर शहरों इलाकों में वाइन की खपत बढ़ी है। लेकिन आपको जानक ताज्जुब होगा कि भारत में दुनिया के एक परसेंट भी वाइन का उत्पादन नहीं होता है। दुनिया में वाइन का सबसे ज्यादा उत्पादन यूरोपीय देशों में होता है। दुनिया में वाइन के कुल उत्पादन में इटली, फ्रांस और स्पेन की करीब आधी हिस्सेदारी है। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया टॉप पांच देशों में शामिल है। एशिया में वाइन प्रॉडक्शन के मामले में चीन नंबर वन है। दुनिया के कुल वाइन प्रॉडक्शन में चीन ही हिस्सेदारी 1.62 परसेंट है। लेकिन वाइन उत्पादक देशों की लिस्ट में वह 12वें नंबर पर है। World of Statistics के मुताबिक दुनिया में वाइन का सबसे ज्यादा उत्पादन इटली में होता है। दुनिया के कुल वाइन प्रॉडक्शन में उसकी हिस्सेदारी 19.30 परसेंट है। फ्रांस का शेयर 17.65 परसेंट और स्पेन का 13.82 परसेंट है। इन तीनों की ग्लोबल प्रॉडक्शन में कुल हिस्सेदारी करीब 50 परसेंट है। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर अमेरिका है। ग्लोबल प्रॉडक्शन में उसकी हिस्सेदारी 8.67 परसेंट है। ऑस्ट्रेलिया की हिस्सेदारी 4.93 परसेंट है। इस लिस्ट में अगले दो नाम लेटिन अमेरिकी देशों चिली और अर्जेंटीना के हैं।

भारत में वाइन का बाजार

भारत में वाइन इंडस्ट्री में हाल के वर्षों में ग्रोथ देखने को मिली है और खासकर शहरों में इसका चलन बढ़ रहा है। भारत में वाइन का सबसे ज्यादा उत्पादन महाराष्ट्र के नासिक में होता है। वहां कई विनयाड्र्स उभरे हैं। इसे भारत की वाइन कैपिटल भी कहा जाता है। इसके साथ ही कर्नाटक में बेंगलुरु के आसपास भी कई विनयाड्र्स हैं। पुणे में भी वाइन इंडस्ट्री बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा और कुल्लू घाटी में भी वाइन इंडस्ट्री उभर रही है। देश में वाइन मार्केट 2027 तक 30.92 परसेंट सीएजीआर के साथ बढ़ने की उम्मीद है।

अब यूरोप और अमेरिका में भी दिखेंगी मारुति और टाटा की कारें!

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार आज भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (Bharat NCAP) लॉन्च करने जा रही है। इसका मकसद 3.5 टन वजन वाली गाड़ियों के सुरक्षा मानकों को बढ़ाकर सड़क सुरक्षा में सुधार करना है। इस कार्यक्रम के तहत, कार मैन्युफैक्चरर अपनी मर्जी से अपनी गाड़ियों को ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड 197 के मुताबिक टेस्ट के लिए पेश कर सकते हैं। टेस्ट में प्रदर्शन के हिसाब गाड़ियों को स्टार रेटिंग दी जाएगी। इस कार्यक्रम का मकसद कार ग्राहकों को बाजार में मौजूद मोटर गाड़ियों की दुर्घटना सुरक्षा का तुलनात्मक आकलन करने के लिए एक टूल मुहैया कराना है। इससे देश में सुरक्षा के प्रति संवेदनशील कार बाजार विकसित होने के साथ-साथ घरेलू कार मैन्युफैक्चरर की एक्सपोर्ट क्षमता भी बढ़ेगी।

सरकार की ओर से आए आधिकारिक बयान में कहा गया है कि संभावित कार ग्राहक अलग-अलग गाड़ियों के सुरक्षा मानकों की तुलना करने के लिए इन स्टार रेटिंग की मदद ले सकते हैं और उसी हिसाब से गाड़ी खरीदने का फैसला कर सकते हैं। सुरक्षित कारों की मांग बढ़ने के साथ, कार मैन्युफैक्चरर को ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उम्मीद है कि भारतीय कारें ग्लोबल बाजार में बेहतर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होंगी क्योंकि वे भविष्य में उच्च सुरक्षा मानकों का पालन करेंगी।

कैसे मिलेगी रेटिंग

भारत एनसीएपी सेफ्टी एसेसमेंट इनिशिएटिव है। इसका मकसद पैसेंजर गाड़ियों की सेफ्टी परफॉरमेंस का आकलन करना है। इसमें भारत के सेफ्टी स्टैंडर्ड्स को अमेरिका, यूरोप, जापान, ऑस्ट्रेलिया और लेटिन अमेरिका के मुताबिक डिजाइन किया गया है। क्रैश टेस्ट और पॉइंट बेस्ड इवेल्यूएशन के आधार पर गाड़ियों को स्टार रेटिंग्स दी जाएगी। सबसे सुरक्षित गाड़ी को फाइव स्टार दिए जाएंगे। गाड़ियों की सेफ्टी रेटिंग के लिए कई क्रैश टेस्ट किए जाएंगे। इनमें फ्रंटल, साइड और पोल-साइड इम्पैक्ट टेस्ट शामिल हैं। फ्रंटल क्रैश टेस्ट 64 किमी प्रति घंटे की स्पीड पर कंडक्ट किया जाता है। इसी तरह साइड टेस्ट 50 किमी और पोल-साइड टेस्ट 29 किमी प्रति घंटे की स्पीड पर किया जाता है। भारत एनसीएपी अनिवार्य नहीं है। विकसित देशों में भी इस तरह के प्रोग्राम वॉलंटरी होते हैं। एनसीएपी को इस तरह डिजाइन किया गया है कि कार बनाने वाली कंपनियां बेसिक सेफ्टी स्टैंडर्ड्स से ऊपर उठकर एडवांस सेफ्टी फीचर अपनाएं। अब तक भारतीय कार कंपनियों के अपनी कारों को ग्लोबल न्यू कार एसेसमेंट प्रोग्राम के तहत टेस्ट कराना पड़ता था। यह काफी लंबी और खर्चीली प्रोसेस है।

क्या है Bharat NCAP

कारों को टेस्ट में उनकी परफॉरमेंस के आधार पर एडल्ट ऑक्यूपेंट्स और चाइल्ड ऑक्युपेंट्स के लिए स्टार रेटिंग्स दी जाएगी। अगर आप कार खरीदने जा रहे हैं तो अलग-अलगा गाड़ियों के सेफ्टी स्टैंडर्ड्स की तुलना के लिए स्टार रेटिंग्स का सहारा ले सकते हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी और टोयोटा ने भारत एनसीएपी को सरकार का साहसिक कदम बताया है। उनका कहना है कि इससे घरेलू ऑटो इंडस्ट्री को काफी मदद मिलेगी। माना जा रहा है कि ज्यादा सुरक्षित कारों की मांग बढ़ेगी। इससे कार बनाने वाली कंपनियां कस्टमर की जरूरत के मुताबिक कार बनाएंगी। सेफ्टी स्टैंडर्ड्स बढ़ने से भारतीय कारें ग्लोबल मार्केट में कंपीट कर पाएंगी और देश से कारों के निर्यात की संभावना बढ़ेगी। जून में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि सरकार सड़कों पर ब्लैक स्पॉट्स हटाने के लिए 40,000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। साथ ही उन्होंने कहा था कि इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश से रोजगार भी पैदा होते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 2021 में देश में सड़क हादसों में 1.54 लाख लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी और 3.84 लाख लोग घायल हुए। 2020 में 1.31 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए थे और 3.49 लाख घायल हुए थे।

ओला ने एस1प्रो और आईसीई किलर एस1एक्स स्कूटर रेंज पेश की

विश्व में मोटरसाईकल पोर्टफोलियो उतारा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने कृष्णागिरी, तमिलनाडु में ओला फ्यूचर फैक्ट्री में आयोजित अपनी वार्षिक कस्टमर डे ईवेंट में 'शीतयुग का अंत' पार्ट 1 की घोषणा की। कंपनी ने विश्व में ऑटोमोटिव के इलेक्ट्रिफिकेशन में भारत के नेतृत्व की शुरुआत करने की ओर अपनी प्रतिबद्धता के बारे में बताया। ओला इलेक्ट्रिक के फाउंडर एवं सीईओ, भाविश अग्रवाल ने कहा, ''पिछले दो सालों में ओला ने भारत में टूव्हीलर के सेगमेंट में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाए जाने के मामले में अपनी कंपनी को शीर्ष पर स्थापित कर दिया है। हमारी इस उपलब्धि पर मुझे गर्व है, और मैं ओला समुदाय से मिले इस भरोसे व प्यार के लिए उनका आभारी हूँ। हम तेज गति से इलेक्ट्रिफिकेशन में देश का नेतृत्व स्थापित करने के उद्देश्य के लिए काम कर रहे हैं। अपनी मुख्य टेक्नॉलॉजी इनहाउस विकसित करके और विस्तार की अर्थव्यवस्था, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं एवं मैनुफैक्चरिंग इंजीनियरिंग अपनाकर हम आईसीई वाहनों एवं इलेक्ट्रिक वाहनों के बीच मूल्यों को पूरी तरह से समान बना देंगे। जेन2 प्लेटफॉर्म इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। एस1 प्रो सहित आज लॉन्च किए गए नई रेंज के स्कूटर, एस1 एक्स पोर्टफोलियो और हमारे हाल ही में लॉन्च किए गए एस1 एयर के साथ मेरा विश्वास है कि ग्राहक अब आईसीई वाहन की बजाय हमारे वाहन खरीदना ज्यादा पसंद करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''मुझे विश्व में ओला इलेक्ट्रिक मोटरसाईकल उतारने की घोषणा करने की खुशी है। यह 2024 के अंत तक बाजार में आ जाएगी। इन-हाउस डिज़ाईन व इंजीनियर की गई, ये मोटरसाईकल मोटरसाईक्लिंग के भविष्य में ओला की एक बड़ी पहल को प्रदर्शित करती हैं।'' ओला इलेक्ट्रिक का फ्लैगशिप उत्पाद, एस1 प्रो की इंजीनियर ओवरहॉलिंग कर इसे ऑल-न्यू जेन-2 प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है। इस स्कूटर का मूल्य 1,47,499रु. है, जिसमें रिडिज़ाईन किया गया बैटरी पैक, पॉवरट्रेन एवं एक इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम तथा नया फ्रेम और सस्पेंशन के साथ 11किलोवॉट पीक पॉवर की शक्तिशाली मिड-ड्राईव मोटर है। इन संरचनागत सुधारों से एस1प्रो का वजन 6 किलोग्राम कम हो गया है, और 120 किलोमीटर/घंटा की सर्वोच्च स्पीड के साथ रेंज बढ़कर 195 किलोमीटर हो गई है। यह केवल 2.6 सैकंड में ही 0 से 40 किलोमीटर/घंटा की गति पकड़ लेता है। एस1 एयर और एस1एक्स की तरह ही इसमें फ्रंट में ट्विन-फॉर्क सेटअप और रियर में मोनोशॉक सस्पेंशन के साथ फ्लैट फ्लोरबोर्ड है, जिससे राईड की क्वालिटी और ज्यादा बेहतर हो जाती है। ओला एस1 प्रो जेन 2की परचेज़ विंडो खुल चुकी है, और ग्राहक अपने नजदीकी ओला एक्सपीरियंस सेंटर जाकर या फिर ओला ऐप द्वारा प्रो को बुक कर सकते हैं। इसकी डिलीवरी सितंबर के मध्य में शुरू होगी।

मीशो का 2027 तक 10 मिलियन विक्रेताओं को डिजिटल बनाने के लक्ष्य

जिससे भारत के एमएसएमई को डिजिटल युग में ले जाने में मदद मिलेगी

बैंगलोर। आईपीटी नेटवर्क

इंटरनेट कॉमर्स को जन समूह तक पहुँचाने के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए, भारत के एकमात्र टू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, मीशो ने 2027 तक 10 मिलियन छोटे व्यवसायों को ऑनबोर्ड कर उन्हें ऑनलाइन सफलता प्रदान करने के अपने दूरदर्शी लक्ष्य की घोषणा की। यह घोषणा 22 अगस्त को दिल्ली में आयोजित एक समारोह में की गई थी। इससे जमीनी स्तर पर जाकर एसएमबी को समर्थ बनाने की मीशो की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य मीशो के मौजूदा 1.3 मिलियन विक्रेता आधार को बढ़ाकर 10 गुना कर देगा, साथ ही 40 लाख से कम वार्षिक टर्नओवर वाले छोटे, मध्यम और स्थानीय उद्यमों को डिजिटल वाणिज्य के दायरे में लाकर उन्हें नये अवसर प्रदान करेगा। यह पहल 40 लाख से कम वार्षिक टर्न ओवर वाले व्यवसायों को ऑनलाइन बिक्री पर लगने वाले अनिवार्य जीएसटी से राहत देने के भारत सरकार के निर्णय के अनुरूप भी है।

मीशो के सीईओ और संस्थापक, विदित आत्रे ने कहा, '2027 तक अपने प्लेटफॉर्म पर 10 मिलियन विक्रेता लाने की हमारी प्रतिबद्धता इंटरनेट कॉमर्स को पूरे जान समूह तक पहुँचाने के हमारे मिशन का प्रमाण है। एमएसएमई के लचीलेपन और ऊर्जा से हमें बल मिलता है, और उनका सशक्तिकरण हमारी अर्थव्यवस्था में नयी जान फूंकने की क्षमता रखता है।' उन्होंने आगे कहा, 'तकनीकी प्रगति, इनोवेशन और समावेशन की ओर हमारी प्रतिबद्धता के साथ हम ऑफ़लाइन विक्रेताओं को पूरक आय प्राप्त करने के साधन देने के लिए तैयार हैं। हम केवल आंकड़ों पर नज़र नहीं रखते, बल्कि एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना चाहते हैं, जो मौजूदा 80इ से ज़्यादा एमएसएमई के विस्तार में तेज़ी लेकर आये। हम जैसे-जैसे इस परिवर्तनकारी यात्रा में आगे बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे हम न केवल डिजिटल अंतर को दूर करना चाहते हैं, बल्कि प्रगति और आत्मनिर्भरता के साथ एक समृद्ध ऑनलाइन समुदाय का विकास करके 'आत्मनिर्भर भारत' में भी मदद करना चाहते हैं।'

वित्त वर्ष 24 में ईज़मायट्रिप की मजबूत शुरुआत

वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही का जीबीआर 2,371 करोड़ रुपये, अभी तक का सर्वोच्च स्तर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के अग्रणी ऑनलाइन ट्रैवेल टेक्नोलॉजी प्लैटफॉर्म, EaseMyTrip.com ने पहली तिमाही के शानदार नतीजों की घोषणा के साथ वित्त वर्ष 24 की मजबूत शुरुआत की है। कंपनी ने स्थायी वृद्धि की अपनी उल्लेखनीय यात्रा को जारी रखा है, जैसा कि इसने वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में शानदार 42.6इ की वार्षिक वृद्धि के साथ 2,371 करोड़ रुपये का अभी तक का उच्चतम तिमाही जीबीआर दर्ज किया। यह तिमाही एक महत्वपूर्ण अवसर भी है, क्योंकि कंपनी ने इसी तिमाही में अपनी 15वीं वर्षगाँठ मनाई। पिछले 15 वर्षों में यह धीरे-धीरे लेकिन लगातार बढ़ते हुए ओटीए उद्योग में अग्रणी कंपनी बन गई है।

पूरी तिमाही के दौरान कंपनी ने अपना ध्यान लगातार ग्राहक केन्द्रीयता और रणनैतिक ब्रैंड निर्माण पद्धतियों पर केन्द्रित रखा है। इसने अनेक पहल आरम्भ की जिनसे इसके ग्राहकों को यात्रा के सबसे बढ़िया सौदे प्राप्त हुए। कंपनी की 15वीं वर्षगाँठ के लिए इसके मेगा सेल और अभिनव ब्रैंड बाज़ार से इसे अपने प्लैटफॉर्म पर बड़ी संख्या में ग्राहकों को आकर्षित करने की शक्ति मिली। अपनी विस्तार की रणनीति के अनुरूप, कंपनी ने पहली बार ऑनलाइन फ्रैंचाइज़ी मॉडल अपनाया और सूरत, जयपुर, पटियाला, तथा लुधियाना में नए फ्रैंचाइज़ी स्टोर्स खोलकर अपनी घरेलू मौजूदगी बढ़ाई। इस विस्तार से न केवल ब्रैंड की उपस्थिति बढ़ी है, बल्कि ग्राहकों का अनुभव भी बेहतर हुआ है, जो उत्कृष्टता के प्रदर्शन के प्रति कंपनी के निरंतर समर्पण का प्रमाण है। कंपनी के उपरोक्त सभी ग्राहक-प्रथम प्रयासों के फलस्वरूप इसने 42.6इ वार्षिक की तिमाही जीबीआर वृद्धि दर्ज की और इसकी जीबीआर (वैश्विक बजटीय आमदनी) की राशि वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही के 1,663.10 करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में 2,371.0 करोड़ रुपये पर पहुँच गई। समायोजित आमदनी में भी 46.9% की मजबूत वृद्धि दर्ज हुई, जिसकी राशि वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही के 131.5 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में 193.2 करोड़ रुपये पर पहुँच गई। कंपनी लगातार लाभ अर्जित करती रही और आज यह लगातार लाभ प्राप्त करने वाली कुछ गिनी-चुनी आधुनिक कंपनियों में से एक है। इसने वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही के लिए 25.9 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ (पीएटी) दर्ज किया है।

PMJDY: जन धन खातों के संख्या 50 करोड़ के पार

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में जन धन खातों की संख्या 50 करोड़ के पार पहुंच गई है। इनमें से 56 परसेंट खाते महिलाओं के हैं। फाइनेंस मिनिस्ट्री ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इनमें से करीब 67 परसेंट अकाउंट्स गांवों और छोटे कस्बों में खोले गए हैं। इन खातों में कुल जमा राशि 2.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। साथ ही इन अकाउंट्स से लगभग 34 करोड़ रुपे कार्ड फ्री जारी किए गए हैं। इन प्रधानमंत्री जन धन योजना (Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana) खातों में एवरेज बैलेंस 4,076 रुपये है और इनमें से 5.5 करोड़ से अधिक को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) का फायदा मिल रहा है। देश के गरीबों के बैंकिंग सेवा से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (Prime Minister Narendra Modi) ने 2014 में यह योजना लॉन्च की थी।

इस बीच पीएम मोदी ने देश में जनधन खातों की संख्या 50 करोड़ के पार पहुंचने की उपलब्धि पर एक ट्वीट किया है। उन्होंने कहा, 'यह एक बड़ी उपलब्धि है। यह खुशी की बात है कि इनमें से आधे से अधिक अकाउंट्स नारी शक्ति के हैं। गांवों और कस्बों में 67 परसेंट अकाउंट्स खोले गए हैं। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि वित्तीय समावेश का फायदा देश के हर कोने तक पहुंचे।'

जन धन योजना के फायदे

वित्तीय समावेशन यानी फाइनेंशियल इनक्लूजन पर राष्ट्रीय मिशन यानी प्रधानमंत्री जनधन योजना की शुरूआत 28 अगस्त 2014 को हुई थी। पिछले नौ साल में इसने देश की वित्तीय तस्वीर बदलकर रख दी है। इस योजना में अकाउंट खोलने वालों के कई फायदे मिलते हैं।

सबसे बड़ी बात है कि इसमें मिनिमम बैलेंस का झंझट नहीं है। इसके अलावा इसमें फ्री रुपे डेबिट कार्ड, 2 लाख रुपये का एक्सीडेंटल इंश्योरेंस और 10 हजार रुपये तक की ओवरड्रॉफ्ट सुविधा भी मिलती है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।